2024

M.L.C. LIBRARY
G.L. CHOUDHURY COLLEGE

HINDI

(Honours Core)

Paper : HIN–HC–5016

(हिन्दी निबंध एवं अन्य गद्य विधाएँ)

Full Marks : 80

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए : 1×10=10

(क) पठित निबंध के अतिरिक्त सरदार पूर्ण सिंह द्वारा रचित अन्य एक निबंध का नामोल्लेख कीजिए।

(ख) 'महाकवि जयशंकर प्रसाद' निबंध के लेखक कौन हैं?

(ग) महादेवी वर्मा किस युग की निबंधकार हैं?

(घ) आचार्य रामचंद्र शुक्ल के समकालीन किसी एक निबंधकार का नाम लिखिए।

(ङ) 'भक्तिन' रेखाचित्र महादेवी वर्मा की किस कृति में संकलित है?

(च) 'पीपल' किसकी रचना है?

(छ) 'तुम्हारी स्मृति' संस्मरण में माखनलाल चतुर्वेदी ने किसका स्मरण किया है?

(ज) सुभान खाँ का क्या अरमान था?

(झ) 'देवदारु' किस प्रकार का निबंध है?

(ञ) ''दुःख की श्रेणी में प्रवृत्ति के विचार से करुणा का उल्टा क्रोध है।'' यह कथन किस निबंधकार का है?

2. निम्नलिखित प्रश्नों के अति संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 2×5=10

(क) ''आदमियों की तिजारत करना मूर्खों का काम है।'' —आशय स्पष्ट कीजिए।

(ख) ''लेकिन न मैं अब बच्चा हो सकता था, न ज़बान में वह मासूमियत और पवित्रता रह गई थी!'' लेखक ने ऐसा क्यों कहा?

(ग) 'तांडव' से क्या तात्पर्य है?

(घ) संस्मरण विधा की दो विशेषताएँ बताइए।

(ङ) 'तुम्हारी स्मृति' पाठ की किन्हीं दो विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **चार** के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 5×4=20

(क) संस्मरणात्मक निबंध से क्या तात्पर्य है और यह रेखाचित्र से किस प्रकार भिन्न है?

(ख) संस्मरण के स्वरूप पर एक टिप्पणी लिखिए।

(ग) ''हल चलानेवाले और भेड़ चरानेवाले प्रायः स्वभाव से ही साधु होते हैं।'' लेखक ने ऐसा क्यों कहा है? सम्यक् उत्तर दीजिए।

M.L.C. LIBRARY
G.L. CHOUDHURY COLLEGE

(घ) 'मेरे राम का मुकुट भींग रहा है' निबंध का सारांश लिखिए।

(ङ) महादेवी वर्मा के संस्मरणों की भाषा-शैली पर एक टिप्पणी लिखिए।

(च) 'पीपल' निबन्ध के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए।

4. निम्नलिखित में से किसी **एक** अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 10

अभिषेक की बात चली, मन में अभिषेक हो गया और मन में राम के साथ राम का मुकुट प्रतिष्ठित हो गया। मन में प्रतिष्ठित हुआ, इसलिए राम ने राजकीय वेश उतारा, राजकीय रथ से उतरे, राजकीय भोग का परिहार किया, पर मुकुट तो लोगों के मन में था, कौशल्या के मातृ-स्नेह में था, वह कैसे उतरता, वह मस्तक पर विराजमान रहा और राम भींगें तो भींगें, मुकुट न भीगने पाए, इसकी चिंता बनी रही।

अथवा

शहरों की यह बीमारी धीरे-धीरे देहात में घुसने लगी। गाय और बाजे के नाम पर तकरारें होने लगीं। जो जिन्दगी भर कसाई-खानों के लिए अपनी गायें बेचते रहे, वे ही एक दिन किसी एक गाय के कटने का नाम सुनकर ही कितने इंसानों के गले काटने को तैयार होने लगे। जिनके शादी-ब्याह पर्व-त्योहार बिना बाजे के नहीं होते, जो मुहर्रम की गर्मी के दिन भी बाजे-गाजों की धूम किए रहते, अब वे ही अपनी मस्जिद के सामने से गुजरते हुए एक मिनट के बाजे पर खून की नदियाँ बहाने को उतारू हो जाते!

5. निम्नलिखित प्रश्नों के सम्यक् उत्तर दीजिए : 10×3=30

(क) निबंध की परिभाषा देते हुए भारतेन्दुयुगीन निबंध पर सम्यक् प्रकाश डालिए।

अथवा

हिन्दी के रेखाचित्र पर एक सारगर्भित लेख लिखिए।

(ख) निबंध के तत्त्वों के आधार पर 'देवदारु' निबंध की समीक्षा कीजिए।

अथवा

'महाकवि जयशंकर प्रसाद' निबंध के आधार पर जयशंकर प्रसाद के बहुमुखी व्यक्तित्व पर प्रकाश डालिए।

(ग) ''लोकमान्य तिलक बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी थे।'' पठित पाठ के आधार पर प्रस्तुत कथन की पुष्टि कीजिए।

अथवा

महादेवी वर्मा के घर में काम करने से पहले भक्तिन ने अपना संघर्षपूर्ण जीवन कैसे जिया, उस पर प्रकाश डालिए।

★★★